

# भारत का यज्ञपत्र The Gazette of India

अतिकारस्तु  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उत्तर-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 205] नई दिल्ली, सोमवार, नई 26, 1986/ज्येष्ठ 5, 1908

No. 205] NEW DELHI, MONDAY, MAY 26, 1986/JYAISTHA 5, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही आती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 26 मई, 1986

अधिसूचना

का. आ. 300(अ) :- केन्द्रीय सरकार, अधिनियम 1954 के नियम 4 और 5 के  
नय पठित वाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की बाय 4 की उपबाय (3) बाय

इनकाश विधियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के का. आ. सं. 395(अ)  
तारीख 21 मई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त प्रविधिबना में, “संसद का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति” शब्द के अंतर्गत कम सं.  
1 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित कम सं. और प्रविष्टि रखी जाएगी  
अर्थात् :-

1. श्री पृष्ठभी माझी, सदस्य, राज्य सभा  
बाबपाड़ा चाय एस्टेट,

डाकघर, डिब्रुगढ़, असम।

[फॉर्मॉड 12012/1/84-प्लांट ए]

दी. पी. बागची, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

New Delhi, the 26th May, 1986

### NOTIFICATION

S.O. 300(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), read with rules 4 and 5 of the Tea Rules, 1954, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No S.O. 395(E), dated the 21st May, 1985, namely :—

In the said notification, under the heading ‘Persons representing Parliament’, for serial number 1 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

“1. Shri Pritijibi Majhi, Member, Rajya Sabha, Baughpara  
Tea Estate, Post Office Dibrugarh; Assam.”

[F. No E-12012(1)/84-Plant A]

D. P. BAGCHI, Jt. Secy.